NT>

Title: Requests to send immediately Shrimati Malti Devi (MP) to America for the treatment of Cancer.

कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद : सभापति महोदय, आज यह सवाल एक महिला सांसद की जान बचाने से संबंधित है। श्री जॉर्ज फर्नांडीज ने ९ फरवरी को पत्र द्वारा स्पीकर महोदय और हैल्थ मिनिस्टर को लिखा था कि श्रीमती मालती देवी को ट्रीटमेंट के लिए अमरीका भेजना बहुत जरूरी है। इसके बाद अध्यक्ष महोदय ने आदेश दिया कि श्रीमती मालती देवी को अमरीका भेजा जाए। लेकिन वह आदेश ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। कल श्रीमती मालती देवी के पति ने जाकर इंक्वायरी की तो पता चला कि वह आदेश अंडर सैक्रेटरी के पास पड़ा हुआ है। इसके बाद वह डायरेक्टर के पास गये। डायरेक्टर ने एक फार्म दिया और कहा कि ट्रीटिंग डाक्टर रैना से यह भरवाकर ले आओ। वह जब डाक्टर रैना के पास गये तो उन्होंने कहा कि मैं नहीं भर सकता। एक सांसद के पति को परेशान किया जा रहा है। इसके पीछे कारण यह है कि उन्होंने गलत ट्रीटमैंट दिया है। जहां केमोथिरैपी की ८० एम.जी. पड़नी चाहिए थी, वहां उन्होंने १२० एम.जी. दे रखी है। यहां १२ फरवरी को हम लोगों ने जब अमरीका के स्पेशलिस्ट से रिपोर्ट मंगाई तो उन्होंने कहा कि इस तरह का ट्रीटमैंट देने की जरूरत नहीं है। इसके बावजूद भी इन लोगों ने ८० एम.जी के बदले १२० एम.जी. दे दिया। जिसकी वजह से उनकी हार्ट फेल होने की नौबत आ गई और किडनी डैमेज हो गई। यहां के आदेश के बाद भी ऐसा हो रहा है।

सभापति महोदय : निषाद जी, आप अपनी बात को संक्षेप में कहिये और मैम्बर्स भी बोलेंगे। आप डिटेल में मत जाइये।

कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद : सभापति महोदय, हम एक दलित महिला एम.पी. के बारे में बात कर रहे हैं, उसकी जान बचाने की बात कर रहे हैं। लेकिन यह मामला ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। क्या सरकार यह चाहती है कि आर.जे.डी. का एक मैम्बर कम हो जाए, अपोजीशन का एक मैम्बर कम हो जाए।

सभापति महोदय, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि श्रीमती मालती देवी की जान बचाने के लिए उन्हें तुरंत अमरीका भेजा जाए। साथ ही यह इंक्वायरी भी हो इस मामले में इस तरह का डिले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा क्यों हुआ और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

... (व्यवधान)

>

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, यह संसद की एक माननीय सदस्या का मामला है

... (व्यवधान)

उनका गलत इलाज हुआ है, इसकी जांच होनी चाहिए

... (व्यवधान)

>

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री, संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम नाईक): सभापति महोदय, यह विषय अपनी एक सांसद श्रीमती मालती देवी जी से संबंधित है। मैं उन्हें व्यक्तिगत तौर पर जानता हूं कि उन्हें कैंसर हुआ है। वैसे आप भी जानते हैं कि चार वर्ष पूर्व मुझे भी कैंसर हुआ था, लेकिन मैं अब ठीक हो गया हूं। उनके ट्रीटमेंट के लिए व्यक्तिगत तौर पर टाटा अस्पताल, मुम्बई में जितना कहने और करने की आवश्यकता थी, वह हमने पूरी कोशिश की है। अब यह सवाल उठाया गया है। मैं बताना चाहता हूं कि उनके साथ टाटा कैंसर इंस्टीटयूट में जिनको जाना है, उसके अनुसार उनके जाने-आने की सुविधा हमने कर दी है।

अब चूंकि यह सवाल हैल्थ मिनिस्ट्री से संबंधित है। इसलिए मैं, जीरो आवर समाप्त होने के तुरन्त बाद इसको स्वास्थ्य मंत्री महोदय के ध्यान में लाऊंगा और उनसे अनुरोध करूंगा कि इस मामले में जो भी वे कर सकते हैं और जिस प्रकार की सहायता दी जा सकती है, वह उन्हें दी जाए।